पहल

होशियार हो जाइये
एक खुदकुश नज़्म
आपके आसपास मौजूद है
उसे हाथ न लगाइये
आपका वजूद खतरे में पड़ जाएगा
उसे पढ़ने की कोई कोशिश न कीजिये
आपकी आंखें तारीक हो जायेंगी
किसी भी हालत में
उसे अपने घर में न रखिये
एक धमाका होगा
और सब कुछ ख़त्म हो जायगा

– जीशान साहिल की एक ख़ुदकुश नज़्म
का एक अंश

पहल

इस महादेश के वैज्ञानिक विकास के लिए प्रस्तुत
प्रगतिशील रचनाओं की अनिवार्य पुस्तक

पहल : 90
सितम्बर-अक्टूबर : 2008

अव्यवसायिक
अनियतकालीन

केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा से सहयोग प्राप्त

संपादक	:	ज्ञानरंजन
सलाहकार संपादक	:	जितेन्द्र भाटिया, परितोष चक्रवर्ती विनोद कुमार श्रीवास्तव, विजय कुमार
प्रसार/वितरण	:	मनोहर बिल्लौरे
संपादन सहयोग	:	रमाकांत, भोपाल
कला संपादन	:	सुरेन्द्र राव, मुंबई
ईमेल क्रियाकलाप	:	पंकज स्वामी
प्रतिनिधि		
भोपाल	:	हरि भटनागर
रायपुर	:	सतीश श्रीवास्तव/मो. 09425206455
प्रकाशक	:	पहल, जबलपुर - 482004
सम्पर्क	:	101, रामनगर, अधारताल, जबलपुर - 482004
टेलीफोन	:	2460393
मोबाईल	:	09893017853
ई-मेल	:	editor.pahal@gmail.com edpahaljbp@yahoo.co.in
फैक्स	:	0761-2490143
आवरण	:	हिमा कौल
संगणकीय अक्षर रचना	:	डिजिटल कम्प्यूटर्स, जबलपुर फोन - 4005179
मुद्रक	:	महाकोशल ऑफसेट राइट टाउन, जबलपुर फोन : 2412723, 4063231
मूल्य	:	50.00 रु.

वेणु गोपाल, महमूद दरवेश और
अहमद फराज़ की स्मृति में